दक्षिण मध्य क्षेत्र सांस्कृतिक केन्द्र, नागपुर
SOUTH CENTRAL ZONE CULTURAL CENTRE, NAGPUR
MINISTRY OF CULTURE, GOVT. OF INDIA

मध्य-दक्षिणी वार्तापत्र

{ फरवरी २०१९ }

निदेशक का मनोगत

दक्षिण मध्य क्षेत्र सांस्कृतिक केन्द्र, नागपुर यह भारत सरकार के संस्कृति मंत्रालय के अधिनस्त सांस्कृतिक क्षेत्र में कार्य करनेवाली संस्था है। महाराष्ट्र के साथ मध्य प्रदेश, छत्तीसगढ़, आंध्रप्रदेश, तेलंगाना एवं कर्नाटक राज्य इस केंद्र के सदस्य राज्य है। केंद्र की ओर से निरंतर विभिन्न सांस्कृतिक कार्यक्रमों का आयोजन किया जाता है। सदस्य राज्यों के लोकनृत्य तथा आदिवासी क्षेत्र के कलाकारो को अपने क्षेत्र तथा संपुर्ण भारत वर्ष मे उनकी कला प्रस्तुति हेतु बढ़ावा देना, हस्तशिल्प कलाकारो द्वारा निर्मित कलाकृतियों के विक्री हेतु उन्हे संसाधन उपलब्ध कराना इस प्रमुख उद्देश से केंद्र के कार्यक्रमों का आयोजन किया जाता है। हाल ही मे केंद्र द्वारा हैदराबाद शहर में "ऑक्टेव फेस्टिवल" इसी उद्देश्य से आयोजित किया गया। चार दिन तक चलने वाले इस फेस्टिवल मे पूरे भारत वर्ष के पूर्वोतर राज्यों के लोक कलाकारों तथा हस्तशिल्प कलाकारो ने सहभाग लिया, एवं उनकी कलाकृतियों को प्रदर्शित किया। इस समारोह को सभी रसिक तथा कलाप्रेमी नागरिकों ने खूब सराहा। केंद्र के अधिकारी तथा कर्मचारियों ने इसे सफल बनाने मे भरसक प्रयास किए।

प्रयागराज में आयोजित कुंभ मेले में केंद्र की ओर से विभिन्न प्रस्तुतियाँ दी गई। इसमे संपुर्ण गीतरामायण, स्वराली संगीत संस्था द्वारा केवल महिलाओं का वाद्यवृंद, युगंधर कृष्ण नाट्य प्रयोग, रामराज्याभिषेक का प्रसंग केंद्र के अंतर्गत आनेवाले सदस्य राज्यों द्वारा लोकनृत्यों की बहारदार तथा आकर्षक रंगोली मेला परिसर में निकाली गई। वहा लगे कक्षों में विभिन्न राज्यों की हस्तशिल्प कलाकृतियों का प्रदर्शन तथा विक्री की गई, जिससे कलाकारों का हौसला बढ़ गया। इस संपुर्ण आयोजन में भी केंद्र के सभी अधिकारी, कर्मचारीयों ने बढ़चढ़कर हिस्सा लिया तथा कलाकारों को प्रोत्साहित किया गया। केंद्र के विभिन्न कार्यक्रमों को स्थानीय वृत्तपत्र, मीडिया तथा कलाप्रेमियों ने इस आयोजन की काफी प्रशंसा भी की।

महाराष्ट्र के औरंगाबाद जिले के ग्रामीण इलाके में "लोककला दर्शन" शीर्षअंतर्गत छः राज्यों की विभिन्न लोक कलाओं का प्रस्तुतीकरण किया गया। नागपुर के पास रामटेक में आयोजित "कालिदास लोक एवं आदिवासी नृत्य समारोह" में भी केंद्र के ओर से लोक कलाकारों द्वारा नृत्य की प्रस्तुति दी गई। इंदौर (म.प्र.) में आयोजित "महाराष्ट्र दर्शन" नामक कार्यक्रम में महाराष्ट्र के लोककला प्रकारों की प्रस्तुतियाँ दी गई।

संपूर्ण भारत वर्ष मे अच्छा सांस्कृतिक वातावरण बना रहे, कलाकारो की कला प्रस्तुतियों को बढ़ावा दिया जाए, उदयोन्मुख कलाकारों को उनकी कला प्रस्तुति के लिये बढ़ावा मिले ऐसे विभिन्न उद्देश्यों से प्रेरित होकर केंद्र द्वारा विभिन्न कार्यक्रम आयोजित किये जा रहे है। इसी माध्यम से राष्ट्रभावना जागृती का भी प्रयास किया जा रहा है। दक्षिण मध्य क्षेत्र सांस्कृतिक केन्द्र की ओर से इसी प्रयास मे सम्मिलित सभी कलाकारों को मै हृदय से धन्यवाद देता हुँ।

डॉ. दीपक खिरवड़कर
निदेशक,
दमक्षेसां. केंद्र, नागपुर

द.म.क्षे.सां. केंद्र द्वारा आयोजित / सहभागिता वाले कार्यक्रम तथा उनकी झलकियाँ

फरवरी – २०१९

1. 'आनंदम्' - मासिक योग शिविर का आयोजन फरवरी माह के दौरान प्रति दिन प्रातः ६:३० से ७:३० के बीच दक्षिण मध्य क्षेत्र सांस्कृतिक केंद्र मुख्यालय परिसर में किया गया। इस शिविर को नागरिकों द्वारा उत्तम प्रतिसाद मिल रहा है, तथा योगकला का जतन भी हो रहा है।

ब्रह्मनाद – पंचम पुष्प

दक्षिण मध्य क्षेत्र सांस्कृतिक केंद्र, नागपुर द्वारा दिनांक १० फरवरी २०१९ रविवार को प्रातः 6:30 बजे केंद्र परिसर में लोकप्रिय प्रातःकालीन संगीत सभा 'ब्रह्मनाद' का आयोजन किया गया। इस आयोजन में खडसे बंधुओ ने शहनाई वादन की प्रस्तुति दी और पंडित भुवनेश कोमकली, देवास (मध्य प्रदेश) ने शास्त्रीय गायन प्रस्तुत किया। कार्यक्रम का उद्घाटन द.म.क्षे.सां. केंद्र के निदेशक डॉ. दीपक खिरवडकर जी ने दीपप्रज्वलन कर किया, इस अवसर पर उपनिदेशक श्री मोहन पारखी, कार्यक्रम अधिकारी श्री दीपक कुलकर्णी तथा श्री श्रीकांत देसाई इनकी उपस्थिति रही। कार्यक्रम का सूत्रसंचालन श्वेता शेलगावकर ने किया।

विज्ञानेश्वर खडसे और राजेश खडसे इन दोनो कलाकारो ने 'राग तोडी' से अपने शहनाई वादन का प्रारंभ कर 'पूर्वी धुन' पर आकर अपने वादन का समापन किया। उन्हें साथसंगत करनेवाले सभी कलाकार नागपुर के थे। इनमे राम राजेश खडसे (तबला), निखिल राजेश खडसे (शहनाई) तथा पलाश खडसे (हारमोनियम) इनका समावेश था। इनके शहनाई वादन को दर्शको ने काफी सराहा।

विज्ञानेश्वर खडसे और राजेश खडसे प्रसिद्ध शहनाई वादक स्वर्गीय पंडित महादेवराव खडसे के पुत्र है और अपने पिता से ही उन्होने शहनाई वादन की मौलिक शिक्षा ली।

पंडित भुवनेश कोमकली ने 'राग अहीर भैरव' मे 'ये म्हारा रसिया आओ जी' 'बहुत दिन बीते' और राग अल्हैया बिलावल मे 'कल न वक्त मोहे निसदिन' 'कवन बटरिया गइलों माई' 'वेग बेग आओ मंदर' बंदिशे प्रस्तुत की। 'कुदरत की गति न्यारी' 'हिरन समझ बुझ बन चरना' 'सुनता है गुरु ग्यानी' जैसे निर्गुण भजनों की प्रस्तुति देकर सभी श्रोताओ को मंत्रमुग्ध किया। उन्हे साथसंगत करने वालो मे अभिषेक शिनकर (संवादिनी), पवन सेम (तबला) इनका समावेश रहा।

पंडित भुवनेश कोमकली ने अपनी ख्याल गायकी की शिक्षा श्रीमती वसुंधरा कोमकली एवं श्री मधुप मुदगल जैसे गुरुओ से प्राप्त की। दादा पंडित कुमार गंधर्व एवं पिता मुकुल शिवपुत्र की सांगीतिक विरासत को आत्मसात करने का उन्होने भरसक प्रयास किया।

इस कार्यक्रम मे भारी मात्रा मे दर्शको की उपस्थिती रही। जिन्होने सभी कलाकारो की प्रस्तुतियों को काफी सराहा।

◉ राष्ट्रीय समकालीन चित्र कार्यशाला ◉

(९ फरवरी से १५ फरवरी तक शिल्परामम, हैदराबाद)

दक्षिण मध्य क्षेत्र सांस्कृतिक केंद्र, नागपुर एवं शिल्परामम, हैदराबाद आंध्र प्रदेश के संयुक्त तत्वावधान मे राष्ट्रीय समकालीन पारम्परिक, लोक तथा आदिवासी चित्र कार्यशाला का आयोजन ९ फरवरी से १५ फरवरी २०१९ तक शिल्परामम, हैदराबाद मे किया गया। इस कार्यशाला मे संपूर्ण देश के १२ राज्यो से आए, १८ कलाकारो ने सहभाग लिया। जिसमे श्री पसूला मल्लेशम (तेलगाना), श्रीमती कृष्णा वर्मा (मध्य प्रदेश), श्रीमती उषा देवी (बिहार), श्रीमती अस्मा मेनन (तमिलनाडु), श्री परमिंदार सिंह लाल (चंडीगढ़), श्री विजय कुमार झा (बिहार), श्री संतोष चिक्कन्ना (कर्नाटक), श्री चंद्रकांत उमाकांत हलयाल (महाराष्ट्र), श्री आइ. सुधीर (आंध्र प्रदेश), श्री शहिद पाशा (कर्नाटक), श्रीमती योगिता दिनेश कुमार मौजे (महाराष्ट्र), श्रीमती वैशाली पखाले (महाराष्ट्र), श्रीमती सोनल वर्षनेया (उत्तर प्रदेश), कुमारी वंदना परगनीहा (महाराष्ट्र), डॉ. विश्वेशवरी तिवारी (कर्नाटक), श्री हरीश कुमार ओझा (उत्तर प्रदेश), कुमारी मिनज बानो (उत्तर प्रदेश), श्री शिव कुमार रजवाड़े (छतीसगढ़) का समावेश था।

इस कार्यशाला मे समकालीन पारंपरिक आदिवासी, लोक चित्रकृतियों को कॅनवास पर उकेरा गया। जिसमे विविध राज्यों की कला शैलियो की झलक देखने को मिली।

इस कार्यशाला का प्रमुख उद्देश्य भारत के विविध कलाकारों को एक ही मंच पर लाकर उनका आत्माविश्वास बढ़ाना और विविध राज्यों की कार्यशैली, खानपान, वेषभूषा इत्यादी का आदान प्रदान करना था। दक्षिण मध्य क्षेत्र सांस्कृतिक केंद्र, नागपुर की ओर से लगातार इसी तरह की कार्यशालाओं का आयोजन किया जा रहा है।जो काफी सफल हों रहा है।

राष्ट्रीय समकालीन चित्र कार्यशाला की कुछ झलकियाँ

◉ ऑक्टेव ◉

दक्षिण मध्य क्षेत्र सांस्कृतिक केन्द्र, नागपुर तथा शिल्परामम, हैदराबाद के संयुक्त तत्वावधान में १४ फरवरी २०१९ को भारत के उत्तर पूर्व के राज्यों की कला और संस्कृति को दर्शाने वाले उत्सव "ऑक्टेव" का शुभारंभ नाइट बजार शिल्परामम, हैदराबाद में सम्पन्न हुआ। इस भव्य समारोह का उद्घाटन पर्यटन और संस्कृति विभाग, तेलंगाना राज्य के प्रधान सचिव श्री बी. वेंकटेशम आईएएस, आदिवासी कल्याण की आयुक्त श्रीमती डॉ. क्रिस्टीना चोंगथु आईएएस, शिलपरामम के विशेष अधिकारी श्री जी किशन राव आए.ए.एस(आर) और दक्षिण मध्य क्षेत्र सांस्कृतिक केन्द्र, नागपुर के निदेशक डॉ. दीपक खिरवडकर ने दीपप्रज्वलन कर किया। साथ ही मिजोरम के पारंपरिक वाद्य घोंग एवं मणिपुर का पारंपरिक ढ़ोल बजाकर पारंपरिक तरीके से इस कार्यक्रम का उद्घाटन हुआ।

दक्षिण मध्य क्षेत्र सांस्कृतिक केंद्र के ऑक्टेव कार्यक्रम प्रभारी श्री दीपक पाटिल, श्री गोपाल बेतावार, कार्यक्रम अधिकारी श्री शशांक दंडे, कार्यक्रम अधिकारी श्री पदम जाधव, श्री अनिल खंडागले ने शानदार तरीके से ऑक्टेव नॉर्थ ईस्ट फेस्टिवल का समन्वय किया।

इस अवसर पर प्रमुख अतिथि श्री वेंकटेशम ने अपने मनोगत मे कहा की, प्रत्येक राज्य की अपनी सांस्कृतिक और मान्यताओं के साथ, प्रत्येक का अपना स्वयं का आकर्षण होता है। वही अन्य अतिथि डॉ. क्रिस्टीना जेड चोंगथु आईएएस जो स्वयं मिज़ोरम राज्य से है अपने मनोगत मे कहा की आदिवासी कल्याण आयुक्त के रूप में काम करते हुए उनके अनुभव प्रकट करते हुए, कलाकारों का स्वागत किया।

शिलपरामम के विशेष अधिकारी श्री किशन राव जी ने कलाकारों, शिल्पकारों और केंद्र को भविष्य में शिलपरामम में आकर इसी तरह के कार्यक्रमो को आयोजित करने के लिए आमंत्रित किया।

दक्षिण मध्य क्षेत्र सांस्कृतिक केन्द्र, नागपुर के निदेशक डॉ. दीपक खिरवडकर जी ने ऑक्टेव के आयोजन पर अपनी भावनाएँ व्यक्त कीं, और सभी का स्वागत किया।

उत्तर पूर्व राज्यों के असम, मेघालय, नागालैंड, अरुणाचल प्रदेश, मणिपुर, त्रिपुरा, सिक्किम, मिजोरम के लगभग ३०० कलाकारों ने कोरियोग्राफर श्री अरविंद राजपूत, मुंबई के नेतृत्व में शानदार रंगारंग प्रस्तुति दी।

ऑक्टेव मे मणिपुर (ढ़ोल चोलम पुंग्चोलम, लाई हरोबा), असम (रंगीला बिहू, भोरताल, बरदोली शिखाला), त्रिपुरा (होजगीरी, संगराई मोंग), नागालैंड (खुपिलीली नृत्य, रोईना), मेघालय (होकों, का शाद मसतीब), अरुणाचल प्रदेश (बेह-दु, रिखांपाड़ा नृत्य), मिज़ोरम (चेराओ, खुल्लाम), सिक्किम (तमंग सेलों, याक नृत्य) के लोक कलाकार वहां की सतरंगी लोक कलाओं का प्रदर्शन किया। इस कार्यक्रम का मंच संचालन श्री हर्षवर्धन ने किया।

ऑक्टेव के इस भव्य आयोजन में भारी संख्या मे दर्शकों की उपस्थिती रही। जिसमें कलाप्रेमियों ने प्रस्तुतियों का भरपुर आनंद लिया और सभी प्रस्तुतियों को काफी सराहा।

समापन

दक्षिण मध्य क्षेत्र सांस्कृतिक केन्द्र, नागपुर तथा शिल्परामम, हैदराबाद के संयुक्त तत्वावधान में भारत के उत्तर पूर्व के राज्यों की कला और संस्कृति को दर्शाने वाले चार दिवसीय उत्सव "ऑक्टेव" का रविवार को रंगारंग समापन हुआ। इस संपुर्ण उत्सव मे उत्तर पूर्व के कलाकारो की प्रस्तुति को हैदराबाद के नागरिकों का अच्छा प्रतिसाद मिला। समापन के अवसर पर विशेष अतिथि के रूप में उत्तर क्षेत्र सांस्कृतिक केंद्र, पटियाला के निदेशक डॉ. सौभाग्यवर्धन एवं ट्राईफेड के क्षेत्रीय प्रबंधक श्री बी. जगदीश उपस्थित थे। दोनों अतिथियों ने उनके मनोगत मे ऑक्टेव के कलाकारो और आयोजको की सराहना की।

दक्षिण मध्य क्षेत्र सांस्कृतिक केंद्र, नागपुर के निदेशक डॉ. दीपक खिरवडकर ने इस महोत्सव के आयोजन पर प्रसन्नता व्यक्त की एवं इसी तरह के कार्यक्रमों का आयोजन भविष्य में करने का आश्वासन दिया।

शिलपरामम के विशेष अधिकारी श्री जी किशन राव आए.ए.एस(आर) ने शिल्परामम में ऑक्टेव की ही तरह अन्य कार्यक्रमों का आयोजित करने के लिए सभी क्षेत्रीय सांस्कृतिक केंद्रों को आमंत्रित किया और शिल्परामम की ओर से दक्षिण मध्य क्षेत्र सांस्कृतिक केंद्र, नागपुर के निदेशक डॉ. दीपक खिरवडकर, कार्यक्रम प्रभारी श्री दीपक पाटिल, तथा श्री शशांक दंडे एवं कोरियोग्रॉगर श्री अरविंद कुमार राजपूत को सम्मानित किया।

निदेशक दक्षिण मध्य क्षेत्र सांस्कृतिक केन्द्र, नागपुर ने सभी १६ कलाकार मंडलों के प्रमुखों को प्रमाणपत्रों के साथ सम्मानित किया। कार्यक्रम के भव्य समापन मे उत्तर पूर्व के सभी ३०० कलाकारों ने शानदार प्रदर्शन किया।

SCZCC-NAGPUR
OCTAVE-2019

SCZCC-NAGPUR
OCTAVE-2019

मराठी वारसा फेस्टिवल

'महाराष्ट्र दर्शन इन मध्यप्रदेश' की तर्ज पर महाराष्ट्रीयन स्वाद और संस्कृति की झलक दिखाने वाला तीन दिवसीय “जत्रा मराठी वारसा फेस्टिवल” दक्षिण मध्य क्षेत्र सांस्कृतिक केंद्र, नागपुर और सर्व मराठी भाषी सोशल एण्ड कल्चर सोसायटी, इंदौर के संयुक्त तत्वावधान में १५ से १७ फरवरी को माँ कनकेश्वरी धाम, इंदौर में आयोजित किया गया। महोत्सव में खासतौर पर मुंबई से आमंत्रित “पराक्रम कला मंच” के ३५ कलाकारों द्वारा तीन दिवसीय सांस्कृतिक कार्यक्रमों की प्रस्तुतियां दी गई। ख्याति प्राप्त कलाकारों ने महाराष्ट्र की परंपरा को दर्शाते हुए, वासूदेव, अंगाई, शेतकरी नृत्य, वाघ्या-मुरळी नृत्य, गोंधळी नृत्य, जोगवा नृत्य, कोळी नृत्य, धनगरी नृत्य, ठाकर नृत्य, बाल्या नृत्य, गण, गवळण, मूजरा लावणी आदी महाराष्ट्र की परंपरागत लोकगीत, नृत्य-संगीत की प्रस्तुति दी।

शहर के कलाप्रेमियों के लिए इस महोत्सव में पारंपरिक मराठी व्यंजनो के स्वाद के साथ रंगोली प्रतियोगिता, चित्रकला प्रतियोगिता, महिलाओं के लिए हल्दीकुमकुम प्रतियोगिता की तरहा कई प्रतियोगिता भी हुई। जिसका भरपुर आनंद कलारसिकों ने भारी संख्या में उपस्थिती दर्शाते हुए उठाया।

“जत्रा” इस कार्यक्रम मे पुलवामा के आंतकी हमले मे शहीद हुए जवानों के लिए हस्ताक्षर अभियान भी चलाया गया, जिसमें आगंतुकों ने शहीदों को श्रद्धांजलि अर्पित की। कक्षा ८ वी तक के विद्यार्थियों के लिए आयोजित पेंटिंग प्रतियोगिता मे करीब तीन सौ विद्यार्थियों ने अपनी कला का प्रदर्शन करते हुए कलाकृतियों के माध्यम से शहीद जवानों के लिए दर्द व्यक्त कर श्रद्धांजली दी।

लोककला दर्शन

दक्षिण मध्य क्षेत्र सांस्कृतिक केंद्र, नागपुर, सांस्कृतिक कार्य संचालनालय, महाराष्ट्र शासन, ग्रामपंचायत, आदर्श गाव पाटोदा, अंबेलोहोळ, गवळी शिवरा इनके संयुक्त तत्वावधान में केंद्र की ओर से चलाए जा रहे विविध सांस्कृतिक आयोजनो का भाग "लोककला दर्शन" इस कार्यक्रम का आयोजन २१ से २३ फरवरी २०१९ को औरंगाबाद के विविध गावों में किया गया। कार्यक्रम का रंगारंग शुभारंभ २१ फरवरी २०१९ को आदर्श गाव पाटोदा जिल्हा औरंगाबाद में हुआ। प्रथम दिन कार्यक्रम का उद्घाटन सरपंच श्री भास्करराव पेरे एवं कलाकर पंडित विश्वनाथ दाशरथे के करकमलों द्वारा दीपप्रज्वलन कर हुआ। दुसरे दिन २२ फेब्रुवारी २०१९ को अंबेलोहोळ जिल्हा औरंगाबाद में लोककला दर्शन कार्यक्रम हुआ। कार्यक्रम का उद्घाटन सरपंच श्रीमती यास्मिन हाशम पटेल के करकमलों द्वारा दीपप्रज्वलन कर किया। इस अवसर पर श्री दिलीप बनकर, श्री नंदकुमार पाटिल, श्री शिवाजी पाटिल, पूर्व सरपंच एवं ग्राम विकास अधिकारी की उपस्थिती रही। कार्यक्रम का समापन २३ फेब्रुवारी २०१९ को गवळी शिवरा जिल्हा औरंगाबाद में हुआ। अंतिम दिन कार्यक्रम का उद्घाटन सरपंच अशोक फाळके ने किया। इस अवसर पर उपसरपंच साहेबराव गवळी, ग्रामविकास अधिकारी, ग्रामपंचायत सदस्य इत्यादि की उपस्थिती रही। सम्पूर्ण कार्यक्रम में अतिथियों का स्वागत एवं कार्यक्रम की प्रस्तावना कार्यकम अधिकारी श्री दीपक कुलकर्णी ने की। कार्यक्रम का प्रारंभ गणेश वंदना से हुआ। उसके पश्चात छत्तीसगढ़ की कलाकार श्रीमती समप्रिया ने पंडवाणी गायन की प्रस्तुति देकर श्रोताओं को मंत्रमुग्ध किया। मध्य प्रदेश से आए कलाकारों की "बधाई" और कर्नाटक के कलाकारों द्वारा "हलाकी सुग्गी कुनिथा" की प्रस्तुतियों ने उपस्थित श्रोताओं को झूमने पर विवश किया, वही महाराष्ट्र के कलाकारों के "भारूड", "पोवड़ा" की प्रस्तुति दी। आंध्रप्रदेश के कलाकारों के "गर्गलु नृत्य" तथा तेलंगाना के कलाकारों द्वारा प्रस्तुत किए गए "बोनालु नृत्य" ने सभी का मनमोह लिया।

कार्यक्रम का मंच संचालन श्री दीपक कुलकर्णी ने किया। कार्यक्रम के अंत में आभार प्रदर्शन श्री निरंजन भाकरे ने किया।

लोककला दर्शन कार्यक्रम की हर प्रस्तुति अपने आप में अलग थी, जिसमे हर संस्कृति की झलक श्रोताओं को देखने को मिली। कार्यक्रम मे तीनों ही गावों में हजारों की संख्या मे कलाप्रेमियों की उपस्थिती रही, जिसमें हर उम्र के नागरिक थे, परंतु महिलों एवं बच्चों की उपस्थिति कार्यक्रम में देखते ही बन रही थी। ग्रामीण महिलाओं की इतनी अधिक संख्या में कार्यक्रम में उपस्थिती कार्यक्रम के उद्देश्य को सफल बनाती है। सभी उपस्थितों ने कलाकारों की प्रस्तुतियों को काफी सराहा।

कालिदास महोत्सव

दक्षिण मध्य क्षेत्र सांस्कृतिक केंद्र, नागपुर, कालिदास महोत्सव आयोजन समिति, महाराष्ट्र पर्यटन विकास महामंडल एवं आदिवासी विकास विभाग के संयुक्त तत्वावधान में आयोजित दो दिवसीय कालिदास महोत्सव के दूसरे चरण का आयोजन २३ और २४ फरवरी २०१९ को रामटेक के नेहरू मैदान में किया गया। कार्यक्रम का उद्घाटन विधायक डी. मल्लिकार्जुन रेड्डी के करकमलों से हुआ। इस अवसर पर दक्षिण मध्य क्षेत्र सांस्कृतिक केंद्र, नागपुर के निदेशक डॉ. दीपक खिरवड़कर, खनन महामंडल के अध्यक्ष आशीष जयसवाल, सांसद कृपाल तुमाने, कालिदास संस्कृत विद्यापीठ के कुलगुरु डॉ. श्रीनिवास वरखेड़ी इत्यादी की उपस्थिती रही। सर्वप्रथम दो मिनट का मौन रखकर पुलवामा के शहीदों को श्रद्धांजली दी गई। इसके बाद रंगारंग सांस्कृतिक कार्यक्रम शुरू हुए। किशोर नृत्य निकेतन प्रस्तुत भरतनाट्यम पर आधारित सरस्वती वंदना से सांस्कृतिक कार्यक्रमों की शुरुवात हुई। कामाक्षी हम्पीहोली ने लुभावनी अबीर गुलाल की प्रस्तुति दी। सिद्धी गोमा (गुजरात) ने सुंदर प्रस्तुति दी। छत्तीसगढ़ के आदिवासी कलाकारों ने आदिवासी संस्कृति का परिचय देते हुए मांदरी, मध्य प्रदेश सागर से आए लोक कलाकारों ने बधाई, नोरता की प्रस्तुति दी। सुब्रतो ऊईके ने सूफी रचनाएं प्रस्तुत कर समा बांधा।

◈ संकल्पना एवं मार्गदर्शन ◈

डॉ. दीपक खिरवडकर

(निदेशक, दक्षिण मध्य क्षेत्र सांस्कृतिक केंद्र, नागपूर)

◈ लेखन एवं संरचना ◈

श्रीमती. श्वेता रोहित तिवारी

(शारदा कंसल्टंसी सर्विसेस प्रा. लिमिटेड)

◈ फोटोग्राफी ◈

श्री. गजानन शेळके

(माध्यम व प्रसारण विभाग, द.म.क्षे.सां. केंद्र, नागपूर)

◈ मुखपृष्ठ एवं ग्राफ़िक्स डिजाईन ◈

श्री. मुकेश गणोरकर

(शारदा कंसल्टंसी सर्विसेस प्रा. लिमिटेड)